हम कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहते थे : एम्बाप्पे

मियामी

फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड से 6-4 की हार के बाद फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने कहा कि टीम अपने विदाई ले रहे मुख्य कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी टीम पहले हाफ में पूरी तरह बिखर गई थी, लेकिन दूसरे हाफ में खिलाड़ियों ने फिर विश्व स्तरीय प्रदर्शन किया।

मियामी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी। डेक्लान राइस, एजरी कान्सा और बुकायो साका (दो गोल) ने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। विश्व कप इतिहास में यह पहला अवसर था जब फ्रांस ने किसी एक हाफ में चार गोल खाए।

मैच के बाद एम्बाप्पे ने कहा, मैच के दो बिल्कुल अलग-अलग हिस्से थे। पहले हाफ को देखकर मैं समझ सकता हूं कि कुछ लोगों को लगा होगा कि हमने खुद को हास्यास्पद बना लिया और फ्रांस की जर्सी का सम्मान नहीं किया। लेकिन मैं कहूंगा कि हम इंसान हैं, हालांकि इस स्तर पर हमें ऐसी गलती की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। हम पूरी तरह हिल गए थे और इंग्लैंड ने हमें झकझोर कर रख दिया।

उन्होंने आगे कहा, दूसरे हाफ में हम फिर वही शीर्ष स्तर के खिलाड़ी बन गए, मानसिक रूप से मजबूत और पूरी तरह तैयार। दुर्भाग्य से हम मैच नहीं जीत सके और इसका सबसे ज्यादा दुख हमारे कोच डिडिएर डेशां के लिए है। हम उनके लिए कुछ खास करना चाहते थे। पहले हाफ को देखकर ऐसा लगा जैसे हमने उन्हें निराश किया, लेकिन हम कभी भी उन्हें ऐसा महसूस नहीं कराना चाहते थे। हालांकि मुझे पूरा विश्वास है कि यह एक मैच डिडिएर डेशां की महान विरासत को कभी धूमिल नहीं करेगा।

चार गोल से पिछड़ने के बाद फ्रांस ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया।

एम्बाप्पे के इन दो गोलों के साथ वह फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक 22 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए और उन्होंने लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ दिया। हालांकि 87वें मिनट में बुकायो साका ने पेनल्टी पर अपना हैट्रिक पूरा कर इंग्लैंड की बढ़त फिर मजबूत कर दी। उस्मान डेम्बेले ने फ्रांस के लिए एक और गोल किया, लेकिन स्टापेज टाइम में जूद बेलिंगहैम ने गोल कर इंग्लैंड की 6-4 की जीत सुनिश्चित कर दी। यह मुकाबला फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेशां का आखिरी मैच भी था। उन्होंने 2012 में टीम की कमान संभाली थी और उनके नेतृत्व में फ्रांस ने 2018 फीफा विश्व कप का खिताब जीता, 2022 में फाइनल खेला और 2026 विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ उनके 14 वर्षों के सफल कार्यकाल का समापन हो गया।

न्यूज ब्रीफ

ब्रेंडन मैकुलम के बाद इंग्लैंड टेस्ट टीम का कोच कौन, आस्ट्रेलिया के पूर्व कोच समेत रेस में 3 दिग्गज

नई दिल्ली। ब्रेंडन मैकुलम के इंग्लैंड टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद छोड़ने के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) नए कोच की तलाश में जुट गया है। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद इंग्लैंड क्रिकेट में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। इस बीच, आस्ट्रेलिया के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर, न्यूजीलैंड के दिग्गज स्टीफन फ्लेमिंग और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू फ्लिंटाफ टेस्ट टीम के नए हेड कोच बनने की रेस में सबसे आगे बताए जा रहे हैं, जिनमें स्टीफन फ्लेमिंग को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। ब्रेंडन मैकुलम के कार्यकाल की शुरुआत शानदार रही थी, लेकिन बाद में इंग्लैंड की टेस्ट टीम लगातार संघर्ष करती नजर आई। आस्ट्रेलिया में 4-1 से एशेज हारने के बाद टीम ने अगले 12 टेस्ट में से 8 मुकाबले गंवा दिए। लगातार खराब नतीजों के बाद ईसीबी ने टीम मैनेजमेंट में बदलाव का फैसला लिया और अब नए टेस्ट कोच की तलाश शुरू हो गई है। जस्टिन लैंगर इस रेस के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। लैंगर आस्ट्रेलियाई टीम के साथ सफल कार्यकाल निभा चुके हैं और इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स के हेड कोच भी रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट का उनका अनुभव ईसीबी के लिए बड़ा प्लस माना जा रहा है। पूर्व इंग्लैंड कप्तान एंड्रयू फ्लिंटाफ का नाम भी चर्चा में है। फ्लिंटाफ इंग्लैंड लायंस और सीनियर व्हाइट-बाल टीम के साथ कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे हैं। इंग्लैंड के मैनेजिंग डायरेक्टर राब की के साथ उनकी अच्छी समझ उन्हें मजबूत दावेदार बनाती है।

इंग्लैंड दौरे पर निकी प्रसाद ने सीखा बहुत कुछ

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2025 का खिताब दिलाने वाली कप्तान निकी प्रसाद ने इंडिया ए महिला टीम के साथ अपने इंग्लैंड दौरे को सीखने का एक बेहतरीन अनुभव बताया है। हाल ही में इंग्लैंड ए के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं प्रसाद ने एक खास बातचीत में कहा कि यह उनका पहला इंडिया ए और पहला इंग्लैंड दौरा था। टीम का माहौल शानदार था और उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने का भरपूर अवसर मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। एक जीतने वाली टीम का हिस्सा होना उनके लिए बेहद सकारात्मक अनुभव रहा। प्रसाद ने इंग्लैंड की परिस्थितियों को भारत से काफी अलग बताया, जहां के विकेट और विपक्षी टीमें, विशेषकर लंबे तेज गेंदबाजों, चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने महसूस किया कि अपने बैकफुट खेल में, खासकर बाउंसर गेंदों को पुल और कट करने में, सुधार की आवश्यकता है। शार्ट बाल के साथ संतुलन बनाना उन्होंने जल्द सीखा। कोचों ने उन्हें गेंद की उछाल का सही अनुमान लगाने और ओवरहिट न करने की सलाह दी। गेंदबाजी में भी, उन्हें यह सीखने को मिला कि गेंद को ऊपर पिच करके बल्लेबाजों को ड्राइव करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि वे स्वीप जैसे शाट न खेलें।

राष्ट्रीय शूटर दमयंती सेन दो दिन बाद लौटीं घर, पुलिस कर रही लापता होने की वजह की जांच

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राष्ट्रीय स्तर की शूटर दमयंती सेन, जो पिछले 48 घंटों से लापता थीं, शनिवार सुबह सुरक्षित अपने घर लौट आईं। हालांकि, उनके दो दिनों तक लापता रहने की वजह अभी भी एक रहस्य बनी हुई है, और परिवार तथा जांच एजेंसियों की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। दमयंती के लापता होने की खबर ने खेल जगत और उनके परिवार को चिंता में डाल दिया था। जानकारी के अनुसार, दमयंती सेन गुरुवार दोपहर अपने हावड़ा स्थित घर से कुछ घरेलू सामान खरीदने के लिए निकली थीं। उनके पास उस समय मोबाइल फोन भी था, लेकिन इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटीं और उनका फोन भी बंद आने लगा। काफी देर तक उनसे संपर्क न होने पर चिंतित परिवार ने उनकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद उन्हें तलाशने के लिए एक विशेष जांच शुरू की गई। शनिवार सुबह, हावड़ा जिले के रामकृष्णपुर फेरी जेटी के पास सुबह टहलने वाले कुछ लोगों ने दमयंती को बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य के घूमते हुए देखा। लोगों ने उन्हें पहचान लिया और तुरंत उनके परिवार को सूचना दी। इसके बाद उनके पिता ध्रुवज्योति सेन मौके पर पहुंचे और बेटी को सुरक्षित घर ले आए।

फ्रांस फुटबाल टीम के नए मुख्य कोच होंगे जिनेदिन जिदान

पेरिस

फ्रांस के महान फुटबालर जिनेदिन जिदान फ्रांस की राष्ट्रीय फुटबाल टीम (लेस ब्लू) के नए मुख्य कोच बनने जा रहे हैं। फ्रांसीसी समाचार पत्र एलइकिप के अनुसार, जिदान एक सितंबर से टीम की कमान संभालेंगे। वह डिडिएर डेशां की जगह लेंगे, जिनका 14 वर्षों का सफल कार्यकाल फीफा विश्व कप 2026 के साथ समाप्त हो गया।

डेशां का कार्यकाल शनिवार को मियामी में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले के बाद समाप्त हुआ, जिसमें फ्रांस को इंग्लैंड के हाथों 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।

शानदार रहा डेशां का कार्यकाल

डिडिएर डेशां ने वर्ष 2012 में फ्रांस की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में फ्रांस ने 2018 फीफा विश्व कप का खिताब जीता, 2022 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई और 2026 विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, जहां टीम स्पेन से हार गई।

फ्रेंच फुटबाल महासंघ ने जताया आभार

फ्रेंच फुटबाल महासंघ (एफएफएफ) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में डेशां के योगदान की सराहना करते हुए कहा, एफएफएफ वर्ष 2012 से फ्रांस की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में डिडिएर डेशां द्वारा किए गए असाधारण कार्य के लिए उन्हें सलाम करता है और उनका धन्यवाद करता है। कुछ ही दिनों में अपने पद से विदा लेते हुए डेशां फ्रांस की राष्ट्रीय टीम और फ्रांसीसी फुटबाल के लिए लगभग 25 वर्षों की असाधारण सेवा का अध्याय समाप्त कर रहे हैं। कुछ करियर ऐसे होते हैं जो किसी संस्था और देश के इतिहास पर अमिट छाप छोड़ जाते हैं। महासंघ ने आगे कहा, डिडिएर डेशां अनुशासन, कठोरता, सामूहिक भावना और नीली जर्सी के प्रति समर्पण के प्रतीक रहे। उनके नेतृत्व में फ्रांस की टीम ने अपनी विश्वसनीयता, सम्मान और प्रशंसकों का विश्वास दोबारा हासिल किया। टीम ने 2018 विश्व कप और 2021 यूईएफए नेशंस लीग का खिताब जीता तथा कई बड़े टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुंची। एफएफएफ ने कहा, 185 मैचों और 120 जीत से कहीं बढ़कर, डेशां ने प्रदर्शन और जिम्मेदारी की ऐसी संस्कृति विकसित की, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। उन्होंने कई नए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार किया, टीम को मजबूत मूल्यों के साथ एकजुट रखा और फ्रांसीसी जनता तथा राष्ट्रीय टीम के बीच रिश्ते को और मजबूत किया। महासंघ ने अपने संदेश में आगे कहा, 1998 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान, 2000 यूरोपीय चैंपियनशिप विजेता और 20 साल बाद विश्व कप विजेता कोच बनने वाले डिडिएर डेशां का फ्रांसीसी फुटबाल के इतिहास में एक अनोखा स्थान है। बहुत कम लोगों ने खिलाड़ी और कोच दोनों भूमिकाओं में फ्रांस की नीली जर्सी के लिए इतना योगदान दिया है। अंत में एफएफएफ ने कहा, महासंघ और उसके सभी कर्मचारी उनकी उपलब्धता, समर्पण और योगदान को सलाम करते हैं। उनकी छाप क्लेयरफोंटेन से लेकर करोड़ों प्रशंसकों और स्वयंसेवकों के दिलों में हमेशा बनी रहेगी। एफएफएफ उनकी सेवाओं के लिए अनंत आभार व्यक्त करता है। धन्यवाद, डिडिएर।

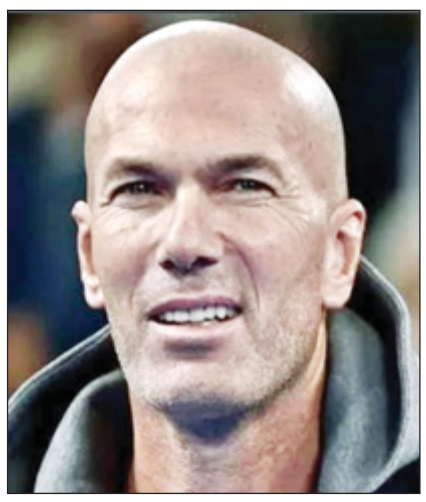

कामनवेल्थ गेम्स : भारत के लिए मेडल जीतने वाले सबसे युवा और उम्रदराज खिलाड़ी

नई दिल्ली। कामनवेल्थ गेम्स 2026 का रोमांच 23 जुलाई से शुरू होने जा रहा है, जहाँ भारत के कुल 125 एथलीट स्काटलैंड के ग्लासगो में देश के लिए पदक जीतने का लक्ष्य रखेंगे। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हमेशा बेहतरीन प्रदर्शन किया है और कई यादगार पल बनाए हैं। आइए आपको भारत के लिए कामनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाले कुछ सबसे युवा और सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के बारे में बताते हैं, जिन्होंने अपने खेल से देश का नाम रोशन किया। भारत के लिए पदक जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ियों में अनीश भनवाला का नाम सबसे ऊपर आता है। उन्होंने 2018 के कामनवेल्थ गेम्स में शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था। अनीश ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में यह उपलब्धि हासिल की थी, जो उनके असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। मनु भाकर, एक और उभरती हुई स्टार शूटर, भारत के लिए पदक जीतने वाली दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने भी 2018 के गोल्ड कोस्ट कामनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता था। मनु ने मात्र 16 साल और 10 दिन की उम्र में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में गोल्ड पर निशाना साधा था। 2018 के इन्हीं खेलों में, मेहुली घोष ने 17 साल की उम्र में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर देश को गौरवान्वित किया था, और वह तीसरी सबसे युवा पदक विजेता बनीं। हाल ही में, बर्मिंघम में हुए कामनवेल्थ गेम्स 2022 में, जेरेमी लालरिनुंगा ने 19 साल की उम्र में वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। उन्होंने 67 किलोग्राम वर्ग में अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर, कामनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी सुनील बहादुर हैं। उन्होंने 45 साल की उम्र में 2022 के कामनवेल्थ गेम्स में लान बाल्स के खेल में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल हासिल किया था। यह उपलब्धि उनके अनुभव, दृढ़ता और खेल के प्रति समर्पण का प्रतीक है, और उन्होंने साबित किया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है जब जुनून और मेहनत साथ हो। इन सभी खिलाड़ियों ने अपनी उम्र और अनुभव की परवाह किए बिना देश के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने हैं।

नरेन-होल्डर की घातक गेंदबाजी से एलए नाइट राइडर्स ने पहली बार जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

ओकलैंड

सुनील नरेन और जेसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी के दम पर लास एंजिलिस नाइट राइडर्स (एलए नाइट राइडर्स) ने इतिहास रचते हुए पहली बार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का खिताब अपने नाम कर लिया। ओकलैंड कोलिजियम में स्थानीय समयानुसार शनिवार रात खेले गए रोमांचक फाइनल में एलए नाइट राइडर्स ने गत चैंपियन वाशिंगटन फ्रीडम को एक रन से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

इस जीत के साथ एमआई न्यूयार्क और वाशिंगटन फ्रीडम के तीन साल के दबदबे का भी अंत हो गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलए नाइट राइडर्स की टीम 19.4 ओवर में 164 रन पर सिमट गई। टीम के लिए आंद्रे फ्लेचर ने 27 गेंदों में 47 रन, कालिन मुनरो ने 29 गेंदों में 40 रन और मैथ्यू ट्राम्प ने 21 गेंदों में 39 रनों की तेज पारी खेली। वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन विकेट, जबकि रचिन रविंद्र और निखिल चौधरी ने दो-दो विकेट लिए।

165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वाशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन और कप्तान जेसन होल्डर ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर टीम को दबाव में बनाए रखा। नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि होल्डर ने तीन विकेट हासिल किए।

हालांकि, ओबस पीनार ने निचले क्रम में 24 गेंदों पर 53 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर मुकाबले को आखिरी गेंदों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अकेले दम पर वाशिंगटन की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन उनकी शानदार पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। वाशिंगटन की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 163 रन ही बना सकी और उसे एक रन से हार का सामना करना पड़ा।

एलए नाइट राइडर्स ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए पहली बार एमएलसी ट्राफी अपने नाम कर ली।

कनाडा के जंगलों की आग के बावजूद नहीं बदलेगा फाइनल मुकाबले का वेन्यू

नई दिल्ली। कनाडा के जंगलों में लगी भीषण आग का असर अब अमेरिका के न्यूयार्क और न्यू जर्सी तक पहुंच गया है, जिससे धुएं के कारण हवा की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसके बावजूद, फीफा ने साफ कर दिया है कि स्पेन और अर्जेंटीना के बीच 20 जुलाई को होने वाला फीफा विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार ही खेला जाएगा। फिलहाल, मैच के वेन्यू या समय में किसी भी तरह के बदलाव की कोई योजना नहीं है। यह घोषणा फुटबाल प्रेमियों और आयोजकों के लिए एक बड़ी राहत है, क्योंकि मैच पर मंडरा रहे अनिश्चितता के बादल छंट गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फीफा लगातार अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) के संपर्क में है और पूरे टूर्नामेंट के दौरान मौसम विभाग के अधिकारी फीफा के कमांड सेंटर में मौजूद रहे हैं। फाइनल से पहले भी हालात पर पैनी नजर रखी जा रही है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि शनिवार को धुएं का असर अधिक रहेगा, लेकिन रविवार तक हवा की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है। यह पूर्वानुमान फीफा को अपने फैसले पर टिके रहने का आत्मविश्वास दे रहा है।

राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस में सौम्यदीप चैंपियन, अद्विका का तिहरा खिताब

अभय प्रशाल में हुई स्पर्धा में इंदौर के खिलाड़ियों का दबदबा

इंदौर

मध्यप्रदेश टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में आयोजित यूटीटी प्रथम राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में भोपाल के सौम्यदीप सरकार ने पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया, जबकि इंदौर की अद्विका अग्रवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला एकल सहित तीन वर्गों में खिताबी सफलता हासिल की।

अभय प्रशाल में खेले गए पुरुष एकल के फाइनल मुकाबले में सौम्यदीप सरकार ने भोपाल के शुभम सोलंकी को 4-1 से पराजित कर खिताब जीता। सेमीफाइनल में सौम्यदीप ने इंदौर के पंकज विश्वकर्मा को और शुभम ने इंदौर के प्रथम बाथम को 4-1 से हराया था।

महिला एकल फाइनल में अद्विका अग्रवाल ने इंदौर की आराध्या राजपूत को 4-1 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले सेमीफाइनल में अद्विका ने भोपाल की मोमिता पाल को 4-3 और आराध्या ने भव्या राव को 4-3 से हराया था।

अद्विका ने अंडर-19 और अंडर-17 बालिका वर्ग में भी खिताबी जीत दर्ज कर स्पर्धा में तिहरी सफलता हासिल की। अंडर-19 बालिका फाइनल में उन्होंने भव्या राव को 3-1 से हराया, जबकि अंडर-17 के फाइनल में आराध्या राजपूत को 3-0 से पराजित किया।

अंडर-19 बालक वर्ग में इंदौर के अबु बकर ने मृदुल जोशी को 3-1 से हराकर खिताब जीता। अंडर-17 बालक वर्ग में वंश चौहान ने मृदुल जोशी को 3-2 से मात दी। वहीं अंडर-15 बालक वर्ग का खिताब भी वंश चौहान ने जीता, उन्होंने शौर्य भांग्या को 3-1 से हराया। अंडर-15 बालिका वर्ग में ग्वालियर की नव्या चतुर्वेदी ने इंदौर की अनिका माहेश्वरी को 3-1 से पराजित कर खिताब हासिल किया। अंडर-13 वर्ग में आरव कासठ और सानवी सिंघल विजेता रहे। अंडर-11 वर्ग में कियान इंगले और अनिका माहेश्वरी ने खिताब जीते। स्पर्धा का पुरस्कार वितरण मध्यप्रदेश ओलिंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर मध्यप्रदेश टेबल टेनिस संगठन के जयेश आचार्य, प्रमोद सोनी, रिंकु आचार्य, नीलेश वेद और गौरव पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नीलेश परदेसी ने किया, जबकि आभार योगेंद्र सिंह चौहान ने माना।

आईसीसी ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन नियमों में किए बड़े बदलाव

नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की है, जो पहले 2021 में अनुमोदित संरचना को बदल देगा। इन नए नियमों के तहत, क्वालीफायर जीतने वाली टीम को अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के मुख्य ग्रुप चरण में सीधे एंट्री मिलेगी, और आईसीसी के बदले हुए माडल के तहत उसे शुरुआती सुपर सीरीज राउंड से नहीं गुजरना पड़ेगा।

बदले हुए प्रारूप में मुख्य टूर्नामेंट की टीमें 14 से घटाकर 12 कर दी गई हैं, जिसमें दो ग्रुप होंगे और उसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल से पहले सुपर सेवन स्टेज होगा, जबकि पहले दो-ग्रुप और सुपर सिक्स फार्मेट था। इस बड़े बदलाव से विश्व कप क्वालीफायर से शीर्ष चार टीमों के लिए क्वालिफिकेशन का रास्ता भी बदल गया है।

नए माडल के तहत, सितंबर 2026 के आखिर में एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष आठ टीमें, सह-मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के साथ, विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई कर लेंगी। हालांकि, तीसरे सह-मेजबान नामीबिया को स्वचालित क्वालिफिकेशन नहीं मिलेगा और उसे क्वालिफाइंग पाथवे से अपनी जगह बनानी होगी। क्वालीफायर जीतने वाली टीम को विश्व कप के मुख्य चरण में 11वीं सीधी एंट्री मिलेगी। दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहने वाली टीमों को दो मैचों की सुपर सीरीज खेलनी होगी, जिसमें केवल जीतने वाली टीम ही आगे बढ़ेगी, जबकि बाकी टीमें सिर्फ दो मैच खेलकर बाहर हो जाएंगी।

2027 के एकदिवसीय विश्व कप में पहली बार होने वाले सुपर सेवन स्टेज में, छह-छह टीमों के दो ग्रुप में से प्रत्येक से शीर्ष तीन टीमें होंगी, साथ ही दोनों ग्रुप में अगली सबसे अच्छी रैंक वाली टीम भी शामिल होगी। यह सात टीमें एक ही राउंड-राबिन में खेलेंगी, जिसमें कुल 21 मैच होंगे, और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

नाकआउट स्टेज में पहले नंबर पर रहने वाली टीम का मुकाबला चौथे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा और दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम का मुकाबला तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा, जिसमें जीतने वाली टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

2027 एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी: एकदिवसीय रैंकिंग में सबसे कम रैंक वाले दो पूर्ण सदस्य (दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को छोड़कर, जो रैंकिंग की परवाह किए बिना मेजबान के तौर पर स्वचालित क्वालिफायर हो जाती हैं), क्रिकेट विश्व कप लीग 2 की शीर्ष चार टीमें, और विश्व कप क्वालीफायर प्लेआफ से आगे बढ़ने वाली चार टीमें। क्वालीफायर प्लेआफ में आठ टीमें हिस्सा लेंगी - लीग 2 की सबसे नीचे की चार टीमें और चैलेंज लीग की शीर्ष चार टीमें।

हालांकि टूर्नामेंट का प्रारूप अभी तक पूरी तरह से पुष्टि नहीं हुआ है, लेकिन शीर्ष चार टीमें एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर में आगे बढ़ेंगी। चैलेंज लीग क्वालिफिकेशन पाथवे का तीसरा टियर है और इसमें 12 टीमें हैं जिन्हें छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है।